भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
24.02.2016 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या 207.

विदेशी सहायता से परमाणु बिजली संयंत्र

207. **श्री प्रहलाद सिंह पटेल :**
श्री दुष्यंत चौटाला :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) **क्या सरकार ने देश में रूसी परमाणु ऊर्जा कारपोरेशन और जापान द्वारा नाभिकीय बिजली संयंत्रों के निर्माण हेतु भूमि आबंटन करने हेतु सहमति दे दी है;**

(ख) **यदि हाँ, तो सरकार द्वारा परियोजना हेतु तय की गई परियोजना लागत और समय-सीमा सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

(ग) **अब तक रूस और जापान के सहयोग से स्थापित किये गये परमाणु/नाभिकीय बिजली संयंत्रों की संख्या कितनी है;**

(घ) **क्या उपर्युक्त देशों के सहयोग से स्थापित किये गये परमाणु बिजली संयंत्र में इनके संचालन के दौरान हल्की खराबी आई थी; और**

(ड.) **यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या उपाय किये गये हैं?**

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) **सरकार, रूसी परिसंघ के तकनीकी सहयोग से नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों को स्थापित करने के लिए, तमिलनाडु में कुडनकुलम तथा पश्चिम बंगाल में हरिपुर स्थलों को सिद्धांतत: अनुमोदन पहले ही दे चुकी है। रूस के तकनीकी सहयोग से नाभिकीय विद्युत रिएक्टर स्थापित करने के लिए, आंध्र प्रदेश राज्य में अतिरिक्त तटीय स्थल की तलाश भी की जा रही है। वर्तमान में जापान के तकनीकी सहयोग से नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।**

(ख) **रूसी परिसंघ के तकनीकी सहयोग वाले स्थलों/परियोजनाओं का ब्यौरा नीचे दिया जा रहा है:**

अवस्थिति	नाभिकीय विद्युत परियोजना	क्षमता (मेगावाट)	संस्वीकृत लागत (करोड़ रूपए)	स्थिति
कुडनकुलम, तमिलनाडु	कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना यूनिट 1 तथा 2 (केकेएनपीपी 1 तथा 2)	2x1000	17270*	केकेएनपीपी-1, दिसंबर, 2014 से वाणिज्यिक प्रचालन कर रहा है। केकेएनपीपी-2, कमीशनाधीन है, इसके वर्ष 2016-17 तक पूरा हो जाने की संभावना है।
	केकेएनपीपी 3 तथा 4	2x1000	39849	परियोजना को संस्वीकृति प्राप्त हो गई है, सांविधिक अनुमति प्राप्त कर ली गई है, उत्खनन कार्य प्रारंभ हो चुका है।
	केकेएनपीपी 5 तथा 6	2x1000	परियोजना-पूर्व कार्य प्रगति पर है, सांविधिक स्वीकृति यानि एईआरबी साइटिंग, सीआरजैड एवं पर्यावरणीय आदेश प्राप्त एवं प्रौद्योगिकी-वाणिज्यिक पेशकश के बारे में बातचीत की जा रही है।	
हरिपुर, पश्चिम बंगाल	स्थल 6x1000 मेगावाट (नाम मात्र) के लिए अनुमोदित है।			

* 22462 करोड़ रूपए के दूसरे संशोधन के अंतर्गत

(ग) अब तक मात्र एक नाभिकीय विद्युत परियोजना, कुडनकुलम 1 तथा 2 (2x1000 मेगावाट), रूसी परिसंघ के तकनीकी सहयोग से स्थापित की गई है। जापान के सहयोग से कोई भी नाभिकीय विद्युत परियोजना स्थापित नहीं की गई है।

(घ) तथा (ड.) कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत संयंत्र (केकेएनपीपी-1) यूनिट-1 को ग्रिड के साथ जोड़े जाने से लेकर, 24 जून, 2015 को ईंधन के पुनर्भरण के लिए योजनाबद्ध तरीके से शट-डाउन करने से पहले तक करीब बीस माह तक प्रचालित किया गया। यूनिट ने इस अवधि के दौरान, 6875 मिलियन यूनिट (2243 एमयूज़ अनिश्चित उत्पादन सहित) विद्युत का उत्पादन किया। दीर्घ प्रचालन के बाद, यह प्रथम योजनाबद्ध शट-डाउन था तथा इसके लिए विस्तृत निगरानी एवं रख-रखाव की आवश्यकता थी। इस तरह शट-डाउन के दौरान, ईंधन के पुनर्भरण के अतिरिक्त, तकनीकी विनिर्देशनों के अनुसार, सभी निगरानी जाँच पूरी करना, विनिर्माता की सिफारिश के अनुसार विभिन्न संघटकों की अनिवार्य जाँच तथा निरीक्षण के दौरान चिन्हित कमियों को दूर करने जैसे कार्य संपन्न किए गए। निरीक्षणों के आधार पर डिजायन में कुछ संशोधन तथा कुछ संघटकों को बदलने के कार्य भी किए गए हैं तथा बाद में, यूनिट को 30 जनवरी, 2016 को ग्रिड के साथ जोड़ दिया गया।

*****